# ✍ संपादकीय

असम भारतवर्ष के पूर्वोत्तर में स्थित वह राज्य है, जो विविध जाति-जनजातियों की मिलनभूमि है। इन लोगों की लोकसंस्कृति से असम की बहुरंगी संस्कृति बनी है। 'लौहित्य साहित्य सेतु' के माध्यम से असम में रहनेवाली विविध जाति-जनजातियों के साहित्य, समाज, संस्कृति आदि से समृद्ध असम की संस्कृति के विविध पक्षों को उद्घाटन करने का प्रयास किया गया है। साथ ही शेष दुनिया से संबंधित रचनाओं को भी यहाँ प्रकाशित करने का लक्ष्य है।

अनुवाद ही वह सेतु है, जो अलग-अलग भाषाओं को जोड़ता है। अनुवादक स्रोत भाषा की भावाभिव्यक्ति को लक्ष्य भाषा की संरचना में ढालकर उसे अनूदित करता है, जिससे हम किसी दूसरे समाज-साहित्य-संस्कृति से परिचित होते हैं। इसलिए आज विविध साहित्यिक विधाओं में पारस्परिक अनुवाद से साहित्यिक समृद्धि के अलावा भावात्मक एकता भी बढ़ रही है। 'लौहित्य साहित्य सेतु' विविध भाषाओं के साहित्य को हिंदी और असमीया भाषा में अनुवाद का प्रोत्साहन देती है।

'लौहित्य साहित्य सेतु' अर्धवार्षिक द्विभाषिक ई-पत्रिका है, जिसका पहला अंक 2020 ई॰ के जुलाई-दिसंबर का है। इसमें 'हिंदी खंड' के अंतर्गत तीन आलेख, तीन कहानियाँ, कुछेक कविताएँ, अनुवाद साहित्य के अंतर्गत उर्दू और असमीया से हिंदी में अनूदित कहानियाँ तथा असमीया और राभा भाषा के विशिष्ट कवियों की कविताओं का हिंदी अनुवाद और एक बड़ो लोककथा भी शामिल हैं। यहाँ 2005 ई॰ में शांति के नोबेल पुरस्कार से मनोनीत पहली असमीया महिला बीरुबाला राभा का साक्षात्कार भी शामिल किया गया है। दूसरी ओर 'असमीया खंड' में चार निबंध, एक कहानी, कुछेक मौलिक कविताएँ और हिंदी से असमीया में अनूदित एक कहानी और कुछेक कविताएँ संलग्न हैं। इसमें विविधमुखी साहित्यिक विधायों को शामिल करने के साथ ही बाल साहित्यकारों की रचनाओं के प्रकाशन पर भी महत्व दिया गया है।

मुख्य रूप से असम पर केंद्रित असम के साहित्य-संस्कृति के विविध अपरिचित पहलुओं को भारत तथा विश्व-पटल पर पहुँचाने में तनिक भी समर्थ होने पर हमारा प्रयास सार्थक होगा। अंत में 'लौहित्य साहित्य सेतु' को यहाँ तक पहुँचाने के लिए इससे जुड़े सभी महानुभवों, प्रकाशक, संरक्षक, परामर्श मंडल एवं संपादक मंडल के सदस्यों, व्यवस्थापना सहयोगियों के प्रति आभार प्रकट करती हूँ। आप सभी से आशा रखते हैं कि आपलोगों के सुझाव और सहयोगिता इस पत्रिका को और आगे ले जायेंगे।

**डॉ. प्रीति बैश्य**
संपादक, लौहित्य साहित्य सेतु